<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>26.12.2024</u>

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई ने 1 अक्टूबर 2024 को माननीय विशेष न्यायालय (पीएमएलए), मुंबई के समक्ष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत मेसर्स ऑक्टाएफएक्स और उसकी संबद्ध संस्थाओं के खिलाफ अभियोजन शिकायत (पीसी) और 20 दिसंबर 2024 को पूरक अभियोजन शिकायत दर्ज की है। माननीय न्यायालय ने 24 दिसंबर 2024 को पीसी और पूरक पीसी का संज्ञान लिया है।

ईडी ने ऑक्टाएफएक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से विदेशी मुद्रा व्यापार की आड़ में उच्च रिटर्न का वादा करके निवेशकों को गुमराह करने और धोखाधड़ी करने में शामिल कई व्यक्तियों के खिलाफ शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन, पुणे द्वारा 8 दिसंबर 2021 को दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की।

ईडी की जांच से पता चला कि ऑक्टाएफएक्स एक धोखाधड़ीपूर्ण योजना के केंद्र में था, जिसमें विदेशी मुद्रा व्यापार के बहाने भारतीय निवेशकों से धन एकत्र करना शामिल था। इसके अलावा, ऑक्टाएफएक्स प्लेटफ़ॉर्म ने निवेशकों से धोखाधड़ी की गतिविधियों को छिपाने के लिए जानबूझकर रणनीति के तहत अपने लॉगिन यूआरएल और वेब पते को बार-बार बदला। प्लेटफ़ॉर्म ने व्यापार गतिविधियों में हेरफेर किया, जिसके परिणामस्वरूप निवेशकों को काफी शुद्ध घाटा हुआ, जबकि धोखाधड़ी वाले धन को ई-वॉलेट और काल्पनिक संस्थाओं के खातों में भेज दिया गया। इसके अलावा, ऑक्टाएफएक्स ने शेल कंपनियों और नकली ई-कॉमर्स वेबसाइटों से जुड़े खच्चर खाते बनाने के लिए फिनटेक श्रमिकों का उपयोग किया। इन संस्थाओं को भुगतान गेटवे एक्सेस प्राप्त करने के लिए बनाया गया था, जो निवेशकों के धन को वैध खरीद के रूप में छिपाते थे। फिर नकली आयात और माल ढुलाई सेवाओं के बहाने धन को विदेश भेज दिया गया।

इस प्लेटफ़ॉर्म ने आईपीएल टीम को प्रायोजित करने और प्रभावशाली मार्केटिंग के लिए विभिन्न उत्पादन एजेंसियों को शामिल करने सहित आक्रामक प्रचार के माध्यम से गति प्राप्त की है। इन उत्पादन एजेंसियों को भुगतान दो एस्टोनिया-आधारित कंपनियों के माध्यम से विदेशी आवक प्रेषण के रूप में किया गया था, दोनों ऑक्टाएफएक्स की संबंधित संस्थाएं हैं और पावेल प्रोज़ोरोव द्वारा नियंत्रित हैं।

ईडी की जांच में यह भी पता चला है कि ऑक्टाएफएक्स ने भारत में अपने परिचालन से मात्र नौ महीनों में 800 करोड़ रुपये की आय अर्जित की है। ईडी ने व्यापक तलाशी कार्यवाही की है और अब तक लगभग 165 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है, जिसमें स्पेन में स्थित 19 अचल संपत्तियों की कुर्की भी शामिल है। ये संपत्तियां मुख्य आरोपी पावेल प्रोजोरोव की हैं, जो ऑक्टाएफएक्स ऑपरेशन के पीछे का मास्टरमाइंड है।

आगे की जांच प्रक्रियाधीन है।